SET-1

Series BVM/4

कोड नं.
Code No. **61/4/1**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।
Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **14 + 1** मानचित्र हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **16** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains **14** printed pages and **1** Map.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **16** questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इतिहास

HISTORY

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

Previous Pathshala

सामान्य निर्देश :

(i) ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए । कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं ।*

(ii) *प्रश्न संख्या* ***1*** *से* ***3*** ***दो*** *अंकों वाले हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***30*** *शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।*

(iii) *प्रश्न संख्या* ***4*** *से* ***9*** ***चार*** *अंकों वाले हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***100*** *शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।*

(iv) *प्रश्न संख्या* ***10*** *से* ***12*** ***आठ*** *अंकों वाले हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***350*** *शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।*

(v) *प्रश्न संख्या* ***13*** *से* ***15*** *स्रोत आधारित प्रश्न हैं ।*

(vi) *प्रश्न संख्या* ***16*** *मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न है, जिसमें लक्षणों को पहचानना तथा महत्त्वपूर्ण परीक्षण मदों का स्थान दर्शाना शामिल है । मानचित्र को उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी कीजिए ।*

General Instructions :

(i) *Answer* ***all*** *the questions. Some questions have internal choice. Marks are indicated against each question.*

(ii) *Answer to questions no.* ***1*** *to* ***3*** *carrying* ***2*** *marks should not exceed* ***30*** *words each.*

(iii) *Answer to questions no.* ***4*** *to* ***9*** *carrying* ***4*** *marks should not exceed* ***100*** *words each.*

(iv) *Answer to questions no.* ***10*** *to* ***12*** *carrying* ***8*** *marks should not exceed* ***350*** *words each.*

(v) *Questions no.* ***13*** *to* ***15*** *are source based questions.*

(vi) *Question no.* ***16*** *is a Map question that includes identification and location of significant test items. Attach the map with the answer-book.*

खण्ड क

PART A

(अति लघु-उत्तरीय प्रश्न)

(Very Short-Answer Type Questions) *2×3=6*

1. हड़प्पा के लोगों के बीच सामाजिक एवं आर्थिक भिन्नताओं को जानने के लिए पुरातत्त्वविदों ने शवाधानों को कैसे प्रयोग किया है ? परख कीजिए । *2*

अथवा

हड़प्पा के महत्त्व को समझने में कन्निंघम जिन क्षेत्रों से भ्रमित हुए, उनका विश्लेषण कीजिए । *2*

Previous Pathshala

Examine how archaeologists have used burials to find out the social and economic differences amongst Harappan people.

OR

Analyse the areas of Cunningham's confusion in understanding the significance of Harappa.

2. इब्न बतूता द्वारा वर्णित भारतीय शहरों की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । *2*

State any two characteristics of Indian cities described by Ibn Battuta.

3. जवाहरलाल नेहरू के 'उद्देश्य प्रस्ताव' को एक महत्त्वपूर्ण प्रस्ताव क्यों कहा जाता है ? कोई दो कारण दीजिए । *2*

Why is 'Objectives Resolution' of Jawaharlal Nehru considered as a momentous resolution ? Give any two reasons.

खण्ड ख

PART B

(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

(Short-Answer Type Questions) *4×6=24*

4. छठी शताब्दी ई.पू. से छठी शताब्दी ई. तक भारत में सिक्कों की विशेषताओं का वर्णन कीजिए । *4*

Describe the features of coinage in India from sixth century BCE to sixth century CE.

5. "मोहनजोदड़ो का गृह-स्थापत्य अनूठा था ।" कथन को उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए । *4*

"The domestic architecture of Mohenjodaro was unique." Explain the statement with examples.

Previous Pathshala

6. "कबीर चौदहवीं और पंद्रहवीं शताब्दियों के संत-कवियों में अप्रतिम थे ।" इस कथन को उनके 'परम सत्यता' के वर्णन के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए । *4*

"Kabir is perhaps one of the most outstanding examples of a poet-saint of fourteenth-fifteenth centuries." Substantiate the statement with reference to his description of 'Ultimate Reality'.

7. विजयनगर के विट्ठल मन्दिर को अनूठा और रोचक क्यों समझा जाता था ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए । *4*

अथवा

विजयनगर के शहरी क़िलेबंदित क्षेत्र के मध्य कृषि में प्रयुक्त भूमि को घेरने के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए । *4*

Why was the Vitthala temple of Vijayanagara considered unique and interesting ? Explain with example.

OR

Explain the significance of enclosing agricultural land within the fortified area of the city of Vijayanagara.

8. दक्कन दंगा आयोग की रिपोर्ट की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए । *4*

अथवा

1857 में ब्रिटिश सरकार की अवध पर नियंत्रण करने की नीतियों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए । *4*

Critically examine the Deccan Riots Commission's Report.

OR

Critically examine the policies adopted by the British for the annexation of Awadh in 1857.

9. भारत में उन्नीसवीं शताब्दी के दौरान शहरीकरण के प्रतिरूपों में देखे गए महत्त्वपूर्ण बदलावों को उजागर कीजिए । *4*

Highlight the significant variations observed in the patterns of urbanisation during nineteenth century in India.

Previous Pathshala

खण्ड ग

PART C

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

(Long-Answer Type Questions) *8×3=24*

10. बुद्ध की शिक्षाओं और ईसा की प्रथम सदी के बाद बौद्ध अवधारणाओं और व्यवहार में आए विकास का वर्णन कीजिए । *8*

अथवा

सांची स्तूप की भव्य मूर्तिकला की विशेषताओं का वर्णन कीजिए । *8*

Describe the teachings of Buddha and development of Buddhist ideas and practices by the first century CE.

OR

Describe the magnificent features of the sculpture of Sanchi Stupa.

11. "सुलह-ए कुल (पूर्ण शांति) के आदर्श प्रबुद्ध शासन की आधारशिला थी ।" अबुल फ़ज़्ल के इस कथन को अकबर के साम्राज्य के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए । *8*

अथवा

"मुग़लों की भव्य दृष्टि के प्रचार-प्रसार का तरीका राजवंशीय इतिहास का लिखना-लिखवाना था ।" इस कथन को *अकबर नामा* और *बादशाह नामा* के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए । *8*

"The ideal of Sulh-i kul (absolute peace) was the cornerstone of enlightened rule." Explain the statement of Abul Fazl with reference to Akbar's Empire.

OR

"Mughals transmitted their grand vision through the writing of dynastic histories." Explain the statement with reference to the *Akbar Nama* and *Badshah Nama*.

12. भारत के विभाजन के इतिहास के पुनर्निर्माण में संस्मरण और मौखिक गवाहियों के महत्त्व और सीमाओं की जाँच कीजिए । *8*

अथवा

1937 के प्रांतीय चुनावों के परिणामों की परख कीजिए और कांग्रेस मंत्रालयों और मुस्लिम लीग की इनमें भूमिका की भी जाँच कीजिए । *8*

Examine the importance and limitations of memories and oral testimonies in reconstructing the history of the partition of India.

OR

Examine the outcomes of the provincial elections of 1937 and also examine the role of Congress ministries and Muslim League in it.

Previous Pathshala

खण्ड घ

PART D

(स्रोत आधारित प्रश्न)

(Source Based Questions) *7×3=21*

13. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

माता की सलाह

महाभारत में उल्लेख मिलता है कि जब कौरवों और पाण्डवों के बीच युद्ध अवश्यंभावी हो गया, तो गांधारी ने अपने ज्येष्ठ पुत्र दुर्योधन से युद्ध न करने की विनती की :

> शांति की संधि करके तुम अपने पिता, मेरा तथा अपने शुभेच्छुकों का सम्मान करोगे ... विवेकी पुरुष जो अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण रखता है वही अपने राज्य की रखवाली करता है । लालच और क्रोध आदमी को लाभ से दूर खदेड़कर ले जाते हैं; इन दोनों शत्रुओं को पराजित कर राजा समस्त पृथ्वी को जीत सकता है ... हे पुत्र तुम विवेकी और वीर पांडवों के साथ सानंद इस पृथ्वी का भोग करोगे ... युद्ध में कुछ भी शुभ नहीं होता, न धर्म और अर्थ की प्राप्ति होती है और ना ही प्रसन्नता की; युद्ध के अंत में सफलता मिले यह भी ज़रूरी नहीं ... अपने मन को युद्ध में लिप्त मत करो ...

दुर्योधन ने माँ की सलाह नहीं मानी, वह युद्ध में लड़ा और हार गया ।

(13.1) गांधारी की अपने ज्येष्ठ पुत्र, दुर्योधन के प्रति चिंता का विश्लेषण कीजिए । *2*

(13.2) आप यह कैसे सोचते हैं कि लालच और क्रोध ऐसी बुराइयाँ हैं जो आदमी की बुद्धि पर पर्दा डालती हैं ? *2*

(13.3) गांधारी ने अपने बेटे को जो समझदार सुझाव दिया उसकी व्याख्या कीजिए । *3*

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

A mother's advice

The *Mahabharata* describes how, when war between the Kauravas and the Pandavas became inevitable, Gandhari made one last appeal to her eldest son Duryodhana :

> By making peace you honour your father and me, as well as your well-wishers ... it is the wise man in control of his senses who guards his kingdom. Greed and anger drag a man away from his profits; by defeating these two enemies a king conquers the earth ... You will happily enjoy the earth, my son, along with the wise and heroic Pandavas ... There is no good in a war, no law (*dharma*) and profit (*artha*), let alone happiness; nor is there (necessarily) victory in the end — don't set your mind on war ...

Duryodhana did not listen to this advice and fought and lost the war.

(13.1) Analyse Gandhari's concern for her eldest son, Duryodhana.

(13.2) How do you think that greed and anger are the vices that overcome the senses of man ?

(13.3) Explain the wise suggestion Gandhari gave to her son.

Previous Pathshala

14. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"खुशकिस्मती के गुलाब बाग की सिंचाई"

नीचे दिए गए उद्धरण में अबुल फ़ज़्ल ने बड़े साफ़ तौर पर ये खुलासा किया है कि उसने कैसे और किनसे अपनी सूचनाएँ हासिल कीं :

...अबुल फ़ज़्ल, वल्द मुबारक... को यह शानदार हुक्म दिया गया, "शानदार घटनाओं और राज्य-क्षेत्र अधीन करने वाली हमारी फ़तहों की दास्तान ईमानदारी के कलम से लिखो... ।" तसल्ली से, मैंने काफ़ी खोजबीन और मिहनत करके महामहिम की गतिविधियों को सबूत और दस्तावेज़ इकट्ठे किए और बहुत समय तक राज्य के मुलाज़िमों व शाही परिवार के सदस्यों के साथ जवाब-तलब किया । मैंने सच बोलने वाले समझदार बुजुर्गों और फुर्तीले दिमाग वाले, सत्यकर्मी जवानों दोनों (की बातों) को परखा, और उनके बयानों को लिखित रूप से दर्ज किया । सूबों को शाही हुक्म जारी किया गया कि पुराने मुलाज़िमों में जिस किसी को बीते वक्त की घटनाएँ याद हों, पूरे विश्वास के साथ या मामूली शक के साथ (भी), वे अपने संस्मरण को लिखें और उसे दरबार भेज दें, (फिर) उस पाक-मौजूदगी के कक्ष से एक और हुक्म रौशन हुआ; वो ये, कि जो सामग्री जमा की जाए... उसे शाही मौजूदगी में पढ़कर सुनाया जाए, और बाद में जो कुछ भी लिखा जाना हो, उसे उस महान किताब में परिशिष्ट की शक्ल में जोड़ दिया जाए, और ये कि ऐसे ब्योरे जो जाँच-पड़ताल की बारीकियों की वजह से, या मामले की बारीकियों की वजह से, उसी समय अंजाम तक नहीं लाए जा सके, उन्हें मैं बाद में दर्ज करूँ ।

ईश्वरी अध्यादेश का खुलासा करने वाले इस शाही हुक्म (की वजह) से अपनी गुप्त फ़िक्र से राहत पाकर, मैंने ऐसे कच्चे प्रारूप लिखने की शुरूआत की, जिसमें शैली या विन्यास की ख़ूबसूरती नहीं थी । मैंने इलाही संवत के उन्नीसवें साल से – जब महामहिम की दानिशमन्द अक्ल से दस्तावेज़ दफ़्तर स्थापित किया गया था – घटनाओं का इतिहासवृत्त हासिल किया, और उसके भरे-पूरे पन्नों से मैंने कई मामलों का ब्योरा पाया । काफ़ी तकलीफ़ें उठाकर उन सभी हुक्मों की मूल प्रति या नकल हासिल की गई जो राज्याभिषेक से लेकर आज तक सूबों को जारी किए गए थे । काफ़ी दिक्कतों का सामना करते हुए, मैंने उनमें से कई रिपोर्टों को भी शामिल किया जो साम्राज्य के विभिन्न मामलों या दूसरे देशों में घटी घटनाओं के बारे में थीं और जिन्हें ऊँचे अफ़सरों और मंत्रियों ने भेजा था और जवाब-तलब व खोजबीन के तंत्र से मेरी मिहनतपसन्द रूह संतृप्त हो गई । बड़ी कर्मठता के साथ मैंने वे कच्चे मसौदे व ज्ञापनपत्र भी हासिल किए जो जानकार और दूरदर्शी लोगों ने लिखे थे । इन तरीकों से खुशकिस्मती के इस गुलाब बाग (*अकबरनामा*) को सींचने और नमी देने के लिए मैंने हौज़ बनाया ।

(14.1) शाही विचारधाराएँ किस प्रकार प्रचारित की जाती थीं ? 2

(14.2) शाही हुक्म को ईश्वरी अध्यादेश क्यों माना जाता था ? 2

(14.3) मुग़ल शासन का सजीव वर्णन करने के लिए किन स्रोतों का उपयोग किया गया ? 3

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

"Moistening the rose garden of fortune"

In this extract Abu'l Fazl gives a vivid account of how and from whom he collected his information :

> ... to Abu'l Fazl, son of Mubarak ... this sublime mandate was given. "Write with the pen of sincerity the account of the glorious events and of our dominion-conquering victories ... Assuredly, I spent much labour and research in collecting the records and narratives of His Majesty's actions and I was a long time interrogating the servants of the State and the old members of the illustrious family. I examined both prudent, truth-speaking old men and active-minded, right-actioned young ones and reduced their statements to writing. The Royal commands were issued to the provinces, that those who from old service remembered, with certainty or with adminicle of doubt, the events of the past, should copy out the notes and memoranda and transit them to the court. (Then) a second command shone forth from the holy Presence-chamber; to wit – that the materials which had been collected should be ... recited in the royal hearing, and whatever might have to be written down afterwards, should be introduced into the noble volume as a supplement, and that such details as on account to the minuteness of the inquiries and the *minutae* of affairs, (which) could not then be brought to an end, should be inserted afterwards at my leisure.
>
> Being relieved by this royal order – the interpreter of the Divine ordinance – from the secret anxiety of my heart, I proceeded to reduce into writing the rough draughts (drafts) which were void of the grace of arrangement and style. I obtained the chronicle of events beginning at the Nineteenth Year of the Divine Era, when the Record Office was established by the enlightened intellect of His Majesty, and from its rich pages, I gathered the accounts of many events. Great pains too, were taken to procure the originals or copies of most of the orders which had been issued to the provinces from the

Previous Pathshala

Accession up to the present-day ... I also took much trouble to incorporate many of the reports which ministers and high officials had submitted, about the affairs of the empire and the events of foreign countries. And my labour-loving soul was satiated by the apparatus of inquiry and research. I also exerted myself energetically to collect the rough notes and memoranda of sagacious and well-informed men. By these means, I constructed a reservoir for irrigating and moistening the rose garden of fortune (*the Akbar Nama*).

(14.1) How were imperial ideologies disseminated ?

(14.2) Why were Royal orders considered as Divine ordinance ?

(14.3) Which sources were used to describe the vivid account of the Mughal Empire ?

15. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

'कल हम नमक कर क़ानून तोड़ेंगे'

5 अप्रैल, 1930 को महात्मा गाँधी ने दाण्डी में कहा था :

जब मैं अपने साथियों के साथ दाण्डी के इस समुद्रतटीय टोले की तरफ चला था तो मुझे यकीन नहीं था कि हमें यहाँ तक आने दिया जाएगा । जब मैं साबरमती में था तब भी यह अफ़वाह थी कि मुझे गिरफ़्तार किया जा सकता है । तब मैंने सोचा था कि सरकार मेरे साथियों को तो दाण्डी तक आने देगी लेकिन मुझे निश्चय ही यह छूट नहीं मिलेगी । यदि कोई यह कहता कि इससे मेरे हृदय में अपूर्ण आस्था का संकेत मिलता है तो मैं इस आरोप को नकारने वाला नहीं हूँ । मैं यहाँ तक पहुँचा हूँ, इसमें शान्ति और अहिंसा का कम हाथ नहीं है; इस सत्ता को सब महसूस करते हैं । अगर सरकार चाहे तो वह अपने इस आचरण के लिए अपनी पीठ थपथपा सकती है क्योंकि सरकार चाहती तो हम में से हरेक को गिरफ़्तार कर सकती थी । जब सरकार यह कहती है कि उसके पास शांति की सेना को गिरफ़्तार करने का साहस नहीं था तो हम उसकी प्रशंसा करते हैं । सरकार को ऐसी सेना की गिरफ़्तारी में शर्म महसूस होती है । अगर कोई व्यक्ति ऐसा काम करने में शर्मिंदा महसूस करता है तो उसके पड़ोसियों को भी रास नहीं आ सकता, तो वह एक शिष्ट-सभ्य व्यक्ति है । सरकार को हमें गिरफ़्तार न करने के लिए बधाई दी जानी चाहिए भले ही उसने विश्व जनमत का ख्याल करके ही यह फैसला क्यों न लिया हो ।

Previous Pathshala

कल हम नमक कर कानून तोड़ेंगे । सरकार इसको बर्दाश्त करती है कि नहीं, यह सवाल अलग है । हो सकता है सरकार हमें ऐसा न करने दे लेकिन उसने हमारे जत्थे के बारे में जो धैर्य और सहिष्णुता दिखाई है उसके लिए वह अभिनंदन की पात्र है... ।

यदि मुझे और गुजरात व देश भर के सारे मुख्य नेताओं को गिरफ़्तार कर लिया जाता है तो क्या होगा ? यह आंदोलन इस विश्वास पर आधारित है कि जब एक पूरा राष्ट्र उठ खड़ा होता है और आगे बढ़ने लगता है तो उसे नेता की जरूरत नहीं रह जाती । *(CWMG) कलेक्टेड वर्क्स ऑफ महात्मा गाँधी खंड 49*

(15.1) महात्मा गाँधी ने जब दाण्डी मार्च की शुरुआत की तो उन्हें किस बात का यकीन नहीं था, उसकी व्याख्या कीजिए । *2*

(15.2) गाँधीजी ने ऐसा क्यों कहा कि सरकार को बधाई देनी बनती है ? *2*

(15.3) "नमक यात्रा उल्लेखनीय थी ।" कथन को प्रमाणित कीजिए । *3*

अथवा

निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

चरखा

महात्मा गाँधी आधुनिक युग, जिसमें मशीनों ने मानव को गुलाम बनाकर श्रम को हटा दिया था, के घोर आलोचक थे । उन्होंने चरखा को एक ऐसे, मानव समाज के प्रतीक रूप में देखा, जिसमें मशीनों और प्रौद्योगिकी को बहुत महिमामंडित नहीं किया जाएगा । इससे भी अधिक चरखा ग़रीबों को पूरक आमदनी प्रदान कर सकता था तथा उन्हें स्वावलम्बी बना सकता था ।

मेरी आपत्ति मशीन के प्रति सनक से है । यह सनक श्रम बचाने वाली मशीनरी के लिए है । ये तब तक 'श्रम बचाते' रहेंगे जब तक कि हज़ारों लोग बिना काम के और भूख से मरने के लिए सड़कों पर न फेंक दिए जाएँ । मैं मानव समुदाय के किसी एक हिस्से के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए समय और श्रम बचाना

Previous Pathshala

चाहता हूँ : मैं धन का केंद्रीकरण कुछ ही लोगों के हाथों में नहीं, बल्कि सभी के हाथों में करना चाहता हूँ ।

यंग इंडिया, 13 नवंबर 1924

खद्दर मशीनरी को नष्ट नहीं करना चाहता बल्कि यह इसके प्रयोग को नियमित करता है और इसके विकास को नियंत्रित करता है । यह मशीनरी का प्रयोग सर्वाधिक ग़रीब लोगों के लिए उनकी अपनी झोपड़ियों में करता है । पहिया अपने आप में ही मशीनरी का एक उत्कृष्ट नमूना है ।

यंग इंडिया, 17 मार्च 1927

(15.1) महात्मा गाँधी आधुनिक युग के आलोचक क्यों थे ? *2*

(15.2) "पहिया अपने आप में ही मशीनरी का एक उत्कृष्ट नमूना है ।" गाँधीजी के इस कथन की व्याख्या कीजिए । *2*

(15.3) चरखे को गाँधीजी द्वारा दिए गए महत्त्व को उजागर कीजिए । *3*

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

"Tomorrow we shall break the salt tax law"

On 5 April, 1930, Mahatma Gandhi spoke at Dandi :

When I left Sabarmati with my companions for this seaside hamlet of Dandi, I was not certain in my mind that we would be allowed to reach this place. Even while I was at Sabarmati there was a rumour that I might be arrested. I had thought that the Government might perhaps let my party come as far as Dandi, but not me certainly. If someone says that this betrays imperfect faith on my part, I shall not deny the charge. That I have reached here is in no small measure due to the power of peace and non-violence : that power is universally felt. The Government may, if it wishes, congratulate itself on acting as it has done, for it could have arrested every one of us. In saying

Previous Pathshala

that it did not have the courage to arrest this army of peace, we praise it. It felt ashamed to arrest such an army. He is a civilised man who feels ashamed to do anything which his neighbours would disapprove. The Government deserves to be congratulated on not arresting us, even if it desisted only from fear of world opinion.

Tomorrow we shall break the salt tax law. Whether the Government will tolerate that is a different question. It may not tolerate it, but it deserves congratulations on the patience and forbearance it has displayed in regard to this party. ...

What if I and all the eminent leaders in Gujarat and in the rest of the country are arrested ? This movement is based on the faith that when a whole nation is roused and on the march no leader is necessary. *CWMG,* VOL. 49

(15.1) Interpret the apprehensions of Mahatma Gandhi when he started his Dandi March.

(15.2) Why did Gandhiji say that the government deserved to be congratulated ?

(15.3) "The Salt March was significant." Substantiate the statement.

OR

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

Charkha

Mahatma Gandhi was profoundly critical of the modern age in which machines enslaved humans and displaced labour. He saw the *charkha* as a symbol of a human society that would not glorify machines and technology. The spinning wheel,

moreover, could provide the poor with supplementary income and make them self-reliant.

What I object to, is the craze for machinery as such. The craze is for what they call labour-saving machinery. Men go on "saving labour", till thousands are without work and thrown on the open streets to die of starvation. I want to save time and labour, not for a fraction of mankind, but for all; I want the concentration of wealth, not in the hands of few, but in the hands of all.

YOUNG INDIA, 13 NOVEMBER 1924

Khaddar does not seek to destroy all machinery but it does regulate its use and check its weedy growth. It uses machinery for the service of the poorest in their own cottages. The wheel is itself an exquisite piece of machinery.

YOUNG INDIA, 17 MARCH 1927

(15.1) Why was Mahatma Gandhi critical of the modern age ?

(15.2) "The wheel is itself an exquisite piece of machinery." Explain this statement of Gandhiji.

(15.3) Highlight the importance given by Gandhiji to the charkha.

Previous Pathshala

खण्ड ङ

PART E

(मानचित्र प्रश्न / Map Question) *2+3=5*

16. (16.1) **भारत** के दिए गए राजनीतिक रेखा-मानचित्र (पृष्ठ 15 पर), में निम्नलिखित को उपयुक्त चिह्नों से दर्शाइए और उनके नाम लिखिए : *1×2=2*

(क) खेड़ा – राष्ट्रीय आंदोलन का महत्त्वपूर्ण केन्द्र ।

अथवा

बम्बई – 1857 के दौरान ब्रिटिश नियंत्रण के अधीन क्षेत्र ।

(ख) आगरा – मुग़लों की शाही राजधानी ।

अथवा

मैसूर

(16.2) **भारत** के दिए गए इसी राजनीतिक रेखा-मानचित्र में विकसित हड़प्पा पुरास्थलों से सम्बन्धित तीन स्थानों A, B और C के रूप में अंकित किए गए हैं । उन्हें पहचानिए और उनके सही नाम उनके पास खींची गई रेखाओं पर लिखिए । *1×3=3*

(16.1) On the given political outline map of **India** (on page 15), locate and label the following appropriately :

(a) Kheda – Important Centre of National Movement.

OR

Bombay – A territory under British control during 1857.

(b) Agra – The Imperial capital of Mughals.

OR

Mysore

(16.2) On the same political outline map of **India**, three places have been marked as A, B and C, which are related to the matured Harappan sites. Identify them and write their correct names on the lines drawn near them.

नोट : *निम्नलिखित प्रश्न केवल* ***दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों*** *के लिए प्र. सं. 16 के स्थान पर हैं :*

Note : *The following questions are for the* ***Visually Impaired Candidates*** *only in lieu of Q. No. 16 :*

(16.1) राष्ट्रीय आंदोलन के किसी एक केंद्र का नाम लिखिए ।

(16.2) बाबर के अधीन किसी एक क्षेत्र का नाम लिखिए ।

(16.3) किन्हीं तीन बौद्ध स्थलों के नाम लिखिए । *1+1+3=5*

अथवा

किन्हीं तीन विकसित हड़प्पा स्थलों के नाम लिखिए । *1×3=3*

(16.1) Name any one centre of National Movement.

(16.2) Name any one territory under Babur.

(16.3) Name any three Buddhist sites.

OR

Name any three matured Harappan sites.

Previous Pathshala

प्रश्न सं. 16.1 और 16.2 के लिए

For question no. 16.1 and 16.2

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)
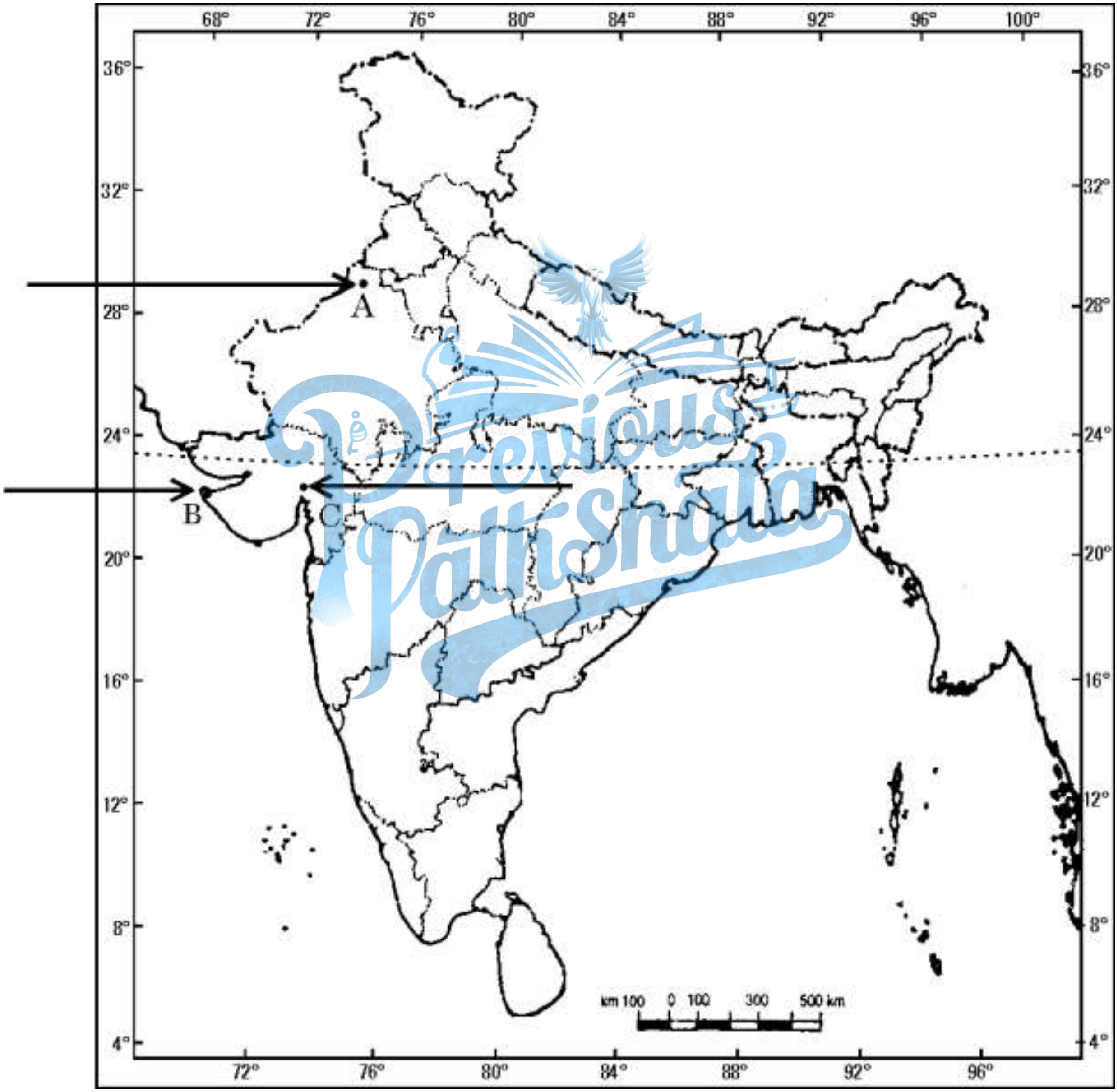
Outline Map of India (Political)